M.A. Hindi

Scheme and Syllabus

School of Distance Education
Andhra University, Visakhapatnam, Andhra Pradesh

	M.A. HINDI (PREVIOUS)	
1	Paper – I	History of Hindi Literature
2	Paper - II	Theory of Literature (Indian & Western)
3	Paper – III	Modern Hindi Poetry
4	Paper – IV	Hindi Prose (Fiction, Drama)
5	Paper – V	Special Study of an Author – Premchand (A)
6	Paper – V	Special study of an Author - Mohan Rakesh (B)

	M.A HINDI (FINAL)	
1	Paper – VI	Old & Medieval Poetry
2	Paper – VII	Functional Hindi and Translation
3	Paper – VIII	Linguistic & History of Hindi Language
4	Paper – IX	Optional – I: Special study of literary trend – Hindi Katha Sahitya (IV)
5	Paper – IX	Optional – II: Special Study of Literary Trend Folk Literature
6	Paper – X	Special study of literary dimensions – Essay

SCHOOL OF DISTANCE EDUCATION

ANDHRA UNIVERSITY, VISAKHAPATNAM-530003

M.A HINDI 1st YEAR

PAPER I : HISTORY OF HINDI LITRATURE

हिन्दी साहित्य का इतिहास

PAPER II: THEORY OF LITERATUE (INDIAN AND WESTERN)

काव्यशास्त्र(भारतीय तथा पाश्चात्य)

PAPER III: MODERN HINDI POETRY

आधुनिक हिंदी कविता

PAPER IV: HINDI PROSE(FACTION, DRAMA, ONEACTPLAYESSAY AND OTHER PROSE GENERE)

हिन्दी गद्य

PAPER V: SPECIAL STUDY OF AN AUTHOR

A. PREMCHAND

(विशेष अध्ययन : प्रेमचंद)

B. MOHAN RAKESH

(विशेष अध्ययन :मोहन राकेश)

SCHOOL OF DISTANCE EDUCATION

ANDHRA UNIVERSITY, VISAKHAPATNAM-530003

M.A HINDI 2nd YEAR

PAPER VI : OLD AND MEDIWAL POETRY

प्राचीन एवं मध्य कालीन कविता

PAPER VII : FUCTIONAL HINDI& TRANSLATION

प्रयोजन मूलक हिन्दी तथाअनुवाद विज्ञान

PAPER VIII : LIGUISICS AND HISTORY OF HINDI LITERATURE

भाषा विज्ञान तथा हिंदी भाषा का इतिहास

PAPER IX(4) : HINDI KATHA SAHITYA

हिंदी कथा साहित्य

PAPER-IX(5) : FOLK LITERATURE

लोक साहित्य

PAPER X : SPECIAL STUDY OF LITERARY DIMENSIONS -HINDI ESSAY

निबंध

M.A HINDI 1st YEARSYLLABUS

PAPER - I	
Core Course Code	**Title of the Paper**
SAH-301 A	**History of Hindi Literature** **हिन्दी साहित्य का इतिहास**

Course Objective :पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास के प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य का परिचय प्राप्त कर पायेंगे ।
2. हिन्दी साहित्येतिहास के विविध काल उनकी पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, काव्य धाराएँ विषयक जानकारी प्राप्त कर पायेंगे। विशेषकर प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य संबंधी ।
3. भक्ति काल की विभिन्न धाराएँ,उन धाराओं में प्रवहित विशिष्ट काव्य एवं रचनाकारों का ज्ञान प्राप्त कर पायेंगे।
4. विविध कालों की ऐतिहासिक, राजनैतिक, सामाजिक एवं धार्मिक परिस्थितियों का आकलन कर सकेंगे।
5. हिन्दी साहित्येतिहास के विविध काल उनकी पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, काव्य धाराएँ विषयक जानकारी प्राप्त कर पायेंगे। विशेषकर प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य संबंधी ।
6. विविध कालों की ऐतिहासिक, राजनैतिक, सामाजिक एवं धार्मिक परिस्थितियों का आकलन कर सकेंगे।

PAPER - I :Mandatory - SAH-301A : हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. साहित्योतिहास दर्शन और हिन्दी साहित्य का इतिहास और साहित्येतिहास, साहित्येतिहास का समाज, धर्म, दर्शन और संस्कृति से संबंधसाहितिहास - दर्शन साहित्य के इतिहास के विविध दृष्टिकोण, हिन्दी

साहित्य का इतिहास, आधारभूत सामग्री, काल विभाजन और नामकरण, हिन्दी साहित्य के इतिहासों का इतिहास

2. आदिकाल : आदिकाल का सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, संदर्भ और साहित्य के साथ संबंध, साहित्यिक चेतना, प्राकृतियाँ और काव्य - धाराएँ प्रतिनिधि रचनाएँ और रचनाकार, कलात्मक अभिव्यंजन काव्य - रुप और भाषा शैली ।

3. भक्तिकाल : भक्तिकाल का सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक सांस्कृतिक संदर्भ और भक्ति आन्दोलन, भक्ति सांप्रदाय, और भक्ति साहित्य, भक्ति कालीन साहित्यिक चेतना, प्रवृत्तियों और काव्यधाराएँ, प्रतिलिधि रचनाएँ, और रचनाकार कलात्मक अभिव्यंजना काव्य रुप और भाषाशैली, भक्तिकाल की भक्तिरचनाएँ ।

4. रीतिकाल : रीतिकालीन काव्य के विभिन्न प्रेरणा स्त्रोत- काव्यशास्त्र, काम ललित कलाएँ, रीतिकाव्य : आचार्यत्व एवं धर्मिता, रीतिकाल का सामाजिक, 'राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक संदर्भ और साहित्य के साथ सम्बंध, रीतिकाल की साहित्यिक चेतना, प्रवृत्तियां और काव्य धारएॅ, श्रृंगार और श्रृंगारेतर - वीर, भक्ति, नीति आदि कलात्मक अभिव्यंजना, काव्य रुप और भाषा शैली, रीति काव्य का नैतिक स्वर –

5. अ) आधुनिक कालः पृष्टभूमि और काव्य : आधुनिक काल सामाजिक आर्थिक, राजनीतिक,सांस्कृतिक संदर्भ भारतीय नवजागरण और राष्ट्रीयआन्दोलन नवीन साहित्यक चेतना का विकास नये रूप और भाषा शैली, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग काव्यधारा, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता और समकालीन कविता, काव्यधाराएँ, सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भ और प्रवृत्तिमूलक ऐतिहासिक विकास और प्रमुख कवि ।

आ) आधुनिक काल : गद्य साहित्य : आधुनिकता बोध और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ हिन्दी साहित्य के संदर्भ में निबन्ध विधा, ऐतिहासिक विकास एवं वर्गीकरण प्रतिनिनधि रचनाएँ और रचनाकार । उपन्यास विधा : ऐतिहासिक

और वर्गीकरण, प्रतिनिधि रचनाएँ और रचनाकारा काहानी विद्या : ऐतिहासिक विकास और वर्गिकरण, प्रतिनिधि रचनाएँ और रचनाकार । नाटक विद्या : ऐतिहासिक विकास और नाया रूप, प्रतिनिधि रचनाएँ और रचनाकार । अन्य विधाएँ : एकांकी, रेडियो नाटक, रेखाचित्र, संस्मरण आदि । ऐतिहासिक विकास और वर्गीकरण, प्रतिनिधि रचनाएँ और रचवीकार समस्यतमक, सामाजिक, सांस्कृतिक समसेवाएं और रचनाकार - समसामयिक सामजिक सांस्कृतिक समस्याएँ और हिन्दी का समकालीन गद्य साहित्या ।

Course Outcomes :पाठ्यक्रम के परिणाम:

1. साहित्येतिहास के लेखन में काल विभाजन,समय निर्धारण आदि के द्वारा तत्कालीन साहित्य की पृष्ठ भूमि का ज्ञान प्राप्त होगा।
2. भक्ति साहित्य का आविर्भाव, विभिन्न काव्य धाराएँ, उनका वैशिष्ट्य।
3. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य की भाषा, अभिव्यक्ति, मानवीय दृष्टिकोणों का सार्थक निरूपण ।
4. भक्ति आंदोलन के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर रचनाकार एवं दार्शनिकों के द्वारा भक्ति साहित्य की श्री वृद्धि ।

M.A HINDI 1st YEARSYLLABUS

PAPER - II	
Core Course Code	**Title of the Paper**
SAH-302 A	**Theory of Literature (India and Western)** **काव्यशास्त्र(भारतीय तथा पाश्चात्य)**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. विद्यार्थी काव्य के लक्षण, प्रयोजन, प्रकार आदि का ज्ञान प्राप्त कर पायेंगे।

2.विविध काव्य सिद्धांत, उनकी अवधारणा भेद आदि की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

3.काव्य सिद्धांत- उनके प्रवर्तक, समर्थक, आलोचक आदि का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

PAPER - II: Mandatory - SAH-302A: काव्यशास्त्र(भारतीय तथा पाश्चात्य)

1. भारतीय साहित्य - सिद्धांत : अ. रस तया ध्वनि संप्रदाय, रस संप्रदाय रस का इतिहास, रस की अवधारणा, भारत का रस- सूत्र और रस निष्पत्ति, साधारण कारण, रस का स्वरुप - लौकिक, रसास्वाद, सुख दुखात्म को रस: । आ. ध्वनि संप्रदाय ध्वनि संप्रदाय का इतिहास, स्फोट और ध्वनि व्यंजना, ध्वनि भेद, ध्वनि को कोटियों, ध्वनि विरोधी अभिमत, औचित्य - औचित्य की अवधाराणा, अंग संगति ।

2. अ. अलंकार, रीति और वक्रोकित संप्रदाय अलंकार संप्रदाय अलंकार संप्रदाय का इतिहास, अलंकार की अवधारणा- आस्थिर धर्म वगीकरण, अलंकार और रस रीति और शैली, रीति और गुण ।

आ. कोकित संप्रदाय बकोकित सिद्धांत और इतिहास, बकोकित की अवधारणा, वकोक्ति के भेद, स्वभावीकित और वकोकित, साहित्य की परिभाषा, शब्द और अर्थ, कवि स्वभाव : रचना प्रक्रिया कवि स्वभाव और रीति, कोकित और अभिव्यंजना ।

3. अ. पाश्चात्य काव्यशात्र (प्रासीन) १. प्लेटो काव्य का प्रेरणा सिद्धांत अनुकृति पर आरोप । अरस्तु अनुकृति त्रासदी और उस के तत्व विवेचन । लांगिनेस : काव्य में उदास, उदात्त की अवधारणा ।
आ. पाश्चात्य काव्य शास्त्र : (अर्वाचीन): रिचईस मूल्य सिद्धांत भाषा के विविध प्रयोग, आलोचक के युग । टी.एस. इलियट परंपरा और बेयकितक प्रज्ञा, वस्तुनिष्ट समीकरण, निर्वयक्तिकता का सिद्धांत कलासिक और रोमांटिक । एक आर. लेबिस मुल्य विवेचना ।
4. मार्कसवादी साहित्य चिंतन आधार और आदि रचना, साहित्य और वर्ग संघर्ष, साहित्य और विचार प्रणाली, आलोचनात्मक यथार्थवाद और समाजवादी यथार्थवाद, प्रतिविद्धता और पक्षधरता आस्तिववादी रुपहित्यचिंतन : रुपवा की रूपवाद, भाग रुपवाद, कंसिसी रुपबाद । अमरीकी नपी समीक्षा : साहित्य रूपों का अपन काव्यरूपों का अन: महाकाव्य, प्रबोध डाव्य, मुख्य काव्य, गीत काव्य आदि । उपन्यास और कहानी

Course Outcomes :पाठ्यक्रम का परिणाम:

1. संस्कृत की आचार्य परंपरा से अवगत होंगे ।

2. विविध काव्य सिद्धांत, काव्य की आत्मा, काव्य हेतु ,काव्य लक्षण आदि से विद्यार्थी परिचित होंगे ।

3.रस,छंद अलंकार का विस्तृत ज्ञान प्राप्त होगा।

M.A HINDI 1st YEARSYLLABUS

PAPER - III	
Core Course Code	**Title of the Paper**
SAH-303 A	**Modern Hindi Poetry** **आधुनिक हिन्दी कविता**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1.विद्यार्थी आधुनिक काल के विविध वाद - प्रमुख कवि, उनकी रचनाओं का ज्ञान प्राप्त कर पायेंगे।

2.विशेष रूप से मैथिली शरण गुप्त,जयशंकर प्रसाद एवं सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की काव्यगत विशेषताओं का
सविस्तार ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

3. अयोध्या सिंह, महादेवी वर्मा,नवीन, धर्मवीर भारती, नरेश मेहता के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का संक्षिप्त जानकारी प्राप्त
कर पायेंगे।

PAPER - III : Mandatory - SAH-303 A : आधुनिक हिन्दी कविता

1. अ. प्रिय प्रयास प्रथम सर्ग: हरिऔध
आ. कमायनी जयशंकर प्रसाद, श्रद्धा
2. अ. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला राय की शक्ति पूजा
आ. सुमित्रानंदन पंत - नौका विहार ताज, भारत माता, वुत झरो ।
इ. महादेवी : धीरे धीरे, जीवन विराह का जलजात, तुम मुझ में प्रिय मधुर मधुर मेरे दीपक, मैं नीर भरी दुख की।
3. अंधा युग - धर्मवीर भारती

4. अज्ञेय नदी के द्वीप, असाध्य वीणा आ धूमिल मोधीराम, पाठकथा
2. आधुनिक कविता पृष्टभूमि
1. आधुनिक शब्द की व्याख्या, मध्यकालीन संवेदना, आधुनिकता की दिशाएँ आधुनिक काव्य के प्रेरणा
2. छायावादी कविता : छायावाद के ऐतिहासिक पृष्टभूमि छायावादी काव्य प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि कवि, छायावादी कविता के आधार स्तम, प्रसाद, निराला महादेवी और पंत का काव्य विकास ।
क. जयशंकर प्रसाद काव्य वैशिष्टय, काव्य की अंतर वस्तु, रुप और अभिव्यंजना कौशल. कामयनी की और महाकाव्य की नयी अवधारणा, कामायनी : छायावादी काव्य की मानक कृति, मानव मुल्य, जीवन दर्शन प्रेम और सौन्दर्य ।
ख. निराला - काव्य वैशिष्टय, प्रगति और प्रयोग भाषा और शिल्प वैविष्या और समृद्धि की लम्बी कविताएँ और महाकाव्यत्मक गरिमा, क्रांतिकारी कवि निराला, सौन्दर्य और प्रेम के गायक निरासा ।
ग. पंत - काव्य वैशिष्टय, कल्पना और सौन्दर्य, पंत का प्रकृति काव्य, भाषा सौष्टव, काव्य शिल्प ।
3. छायावादोत्तर काव्य : छायावादी काव्य और छायावादोत्तर काव्य की विभाजक रेखा । प्रगतिवाद और प्रयोगवाद की ऐतिहासिक पृष्टभूमि, प्रवृत्तियाँ । आधुनिक काव्य रूप : प्रबंधत्व गीति नाटक - युगसंक्रम नव्य भवभूमिः सामाजिक यक्षार्य और प्रगतिवाद ।
4. साठोत्तरी कविता कविता का आयाम, छायावादोत्तर विशिष्ट रचनाकार | धर्मवीर भारती : युगीन संत्रास
ख. 'अज्ञेय - काव्य वैशिष्टय जीवन दर्शन और अभिव्यंजना शिल्प, प्रयोग की नयी भूमिका, कविता और संशोषणीयता । धूमिल :
महादेवी वर्म - दार्शनिक आधार, गीतात्मकता धूमिल काव्य वैशिष्टय, कविता का नया मोड़ और धूमिल का काव्य, साठोत्तरी सामाजिक यथार्य की नयो पकड, भाषा और अभिव्यंजना कोशल लम्बी कविताओं का रचना विधान ।

Course Objective :पाठ्यक्रम का परिणाम:

विद्यार्थी आधुनिक काल के प्रमुख काव्यों की काव्यगत विशेषताओं से परिचित होंगे विशेषकर -

1. गुप्त जी का काव्य - साकेत में वर्णित उपेक्षित नारियों की मनोदशा का आकलन ।

2.प्रसाद जी की कामायनी के मनु, श्रद्धा एवं इड़ा पात्रों द्वारा दर्शित दार्शनिकता का अवलोकन ।

3.निराला जी की कविता राम की शक्ति पूजा का काव्य सौष्ठव ।

M.A HINDI 1st YEARSYLLABUS

PAPER - IV	
Core Course Code	**Title of the Paper**
SAH-304 - A	**Hindi Prose** **हिन्दी गद्य**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य

1.विद्यार्थी गद्य की विविध विधाओं से परिचित हो पायेंगे।

2.नाटक का उद्भव विकास, नाटक के तत्व, विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त करेंगे विशेषकर प्रसाद कृत चन्द्र गुप्त नाटक के
संदर्भ में ।

3.उपन्यास विधा के अंतर्गत प्रेमचन्द कृत गोदान उपन्यास से विशद रूप से परिचित होंगे।

4.एकांकी विधा का भी परिचय प्राप्त कर पायेंगे।

PAPER - IV : Mandatory - SAH-304 A: हिन्दी गद्य

1.1अ. निर्मला

आ. चन्द्रगुप्त जयशंकर प्रसाद

1.2 सात श्रेष्ट कहानियाँ- संपादक: शारदा देवी वेदालंकार लोकभारती प्रकाशन **24** ए महात्मा गांधी मार्ग**,** इलाहावाद विस्तारपूर्वक अध्ययन हेतु ।

2. श्रेष्ट कहानियाँ

3. एकांकी संग्रह - थेट एकांकी - संपादक: डॉ. विजयपाल सिंह नेशनल पब्लिशिंग हाउस, **23,** दरियागंज, नई दिल्ली- **1100021**

3. चिंतामणि -भाग - **1,** रामचन्द्र शुक्ल

4. गद्य विविधा

5.1. निर्धारित उपन्यास और कहानियों का तत्व निरुपण

2. नाटक

3. निबंध - समीक्षात्मक अध्यन निबंधों की अंर्तवस्तु शुक्ल की जीवन दृष्टि निबंधों की संरचना शुक्ल की निबंध काल

4. रेखाचित्र : जीवनी, संस्मरण रिपोर्ताज यात्रा वृत्त - आदी विविद गद्य विधाओं का विवेचनात्मक अध्ययन ।

Course Objective :पाठ्यक्रम का परिणाम:

1. गद्य की विविध विधाओं का परिचय प्राप्त होगा।

2.गद्य साहित्य के मूर्धन्य साहित्यकारों की रचनाओं का अध्ययन ।

3. ऐतिहासिक नाटक के अध्ययन से भारत के प्राचीन गौरव का आकलन ।

4.सामाजिक उपन्यास के अध्ययन से तत्कालीन सामाजिक, पारिवारिक, राजनैतिक आदि परिस्थितियों से परिचित होंगे।

M.A HINDI 1st YEAR SYLLABUS

PAPER - V(A)	
Core Course Code	**Title of the Paper**
SAH-307 A	**Special Study of An Author** **विशेष अध्ययन : प्रेमचंद**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1.विशेष अध्ययन के अंतर्गत विद्यार्थी उपन्यास सम्राट प्रेमचन्द के उपन्यास एवं कहानियों का परिचय प्राप्तकर पायेंगे।

2.उपन्यास कला की दृष्टि से उपन्यासों का विशद अध्ययन, तत्कालीन सामाजिक,आर्थिक, पारिवारिक परिस्थितियों
का आकलन कर सकेंगे।
3. कहानी तत्व के आधार पर कहानियों का अध्ययन कर सकेंगे।

PAPER – IV(A) : Optional - SAH-304 A : विशेष अध्ययन : प्रेमचंद

I. उपन्यास**:** सेवासदन**,** प्रेमाश्रम**,** रंगभूमि**,** गोदान
कहानियाँ : मानसरोवर भाग - २

II. पृष्ठभूमि : हिन्दी उपन्यासों का उदभव और विकास - प्रेमचंद तक**,** प्रेमचंद का उपन्यास साहित : एक विहाँगावलोकन**,** रचनाशीलता के प्रेरणस्त्रोत**,** हिन्दी प्रदेश के संरचना और समस्याएँ**,** प्रेमचंद के उपन्यासों की केन्द्रीय वस्तु और विचारधारा - सेवासदन ।
प्रेमचंदके उपन्यासों का विस्तृत अध्ययन : रंगभूमि

III.गोदान

1. प्रेमचंद की कहानियों विस्तृत अनुशीलन । प्रेमचंद की कहानियों का रचना शिल्प**,** मूल्यांकन और निष्कर्ष

Course Objective :पाठ्यक्रम का परिणाम:

1.कलम के सिपाही मुन्शी प्रेमचन्द जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व का विशद अध्ययन ।
2.प्रेमचन्द जी के उपन्यासों में चित्रित तत्कालीन परिस्थितियाँ एवं समस्याओं का विशद विवेचन ।
3.कहानी एवं उपन्यास के तत्वों का अध्ययन ।

M.A HINDI 1st YEAR SYLLABUS

PAPER - V(B)	
Core Course Code	**Title of the Paper**
SAH-308 A	**Special Study of An Author** **विशेष अध्ययन : मोहन राकेश**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1.विशेष अध्ययन के अंतर्गत विद्यार्थी मोहन राकेश व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय प्राप्तकर पायेंगे।
2.मोहन राकेश नाटकों के आधुनिकता बोध का आकलन कर सकेंगे।
3. नाटक तत्व के आधार पर नाटक का अध्ययन कर सकेंगे।

PAPER - IV(B) : Optional - SAH-308A : विशेष अध्ययन : मोहन राकेश

1. आषाढ़ का एक दिन
2. लहरों का राजहंस
3. आधे अधूरे
4. वीज नाटक

1. स्वातंत्रयोतर परिवेश और नाटक सर्जना नवीन आध्यात्मक दार्शनिक और मानविय चिंतन धाराएँ, मोहन राकेश व्याक्तित्व और कृतित्व।
2. मोहन राकेश के नाटकों का कथ्य : आधुनिक जीवन की समस्यायों- मानसिक इन्द और आधुनिकता बोध, मोहन राकेश के नाटकों का शिल्प, वस्तु संरचना, हश्यांकन नाटकीय सत्य, पात्र परिकल्पना, प्रतीकात्मकता, भाषा शैली, मोहन राकेश के नाटक - साहित्यकता और मंचीयता का समन्वय ।
3. अ. आपढ़ का एक दिन-वस्तु स्त्रोत मौलिकता रचना का उदेश्य प्रेम दर्शन, नाटकीय शिल्प नवीन प्रयोग, रंगमंच विधान, अभिनेयता ।
आ. लहरों का राजहंस जीवन दर्शन आस्तित्व, नाटकीय, प्रतीकात्मक प्रयोग, रंगमंच विधान, अभिनेयता । अ. आधे अधूरे - महानगरीय जीवन समस्योयें, पात्र परिकल्पना अधूरे व्यक्तित्व, नाटकीय शिल्प ।

Course Objective :पाठ्यक्रम का परिणाम:

1.मोहन राकेश का व्यक्तित्व एवं कृतित्व का विशद अध्ययन ।

2.राकेश के नाटकों का कथ्य : आधुनिक जीवन की समस्यायों- मानसिक इन्द और आधुनिकता बोध का अध्ययन ।

3.मोहन राकेश के नाटक - साहित्यकता और मंचीयता का अध्ययन ।

M.A HINDI 2nd YEARSYLLABUS

PAPER - VI	
Core Course Code	**Title of the Paper**
SAH-401A	**Old and MedievalPoetry** **प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. विद्यार्थी मध्ययुगीन काव्य परंपरा,दरबारी संस्कृति एवं रीतिकाव्य का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

2.सगुण भक्ति काव्य के अंतर्गत सूरदास की काव्य प्रतिभा, ब्रज की लोक संस्कृति आदि से भ्रमरगीत सार के माध्यम
से अवगत हो पायेंगे।

3.रीतिकालीन काव्य परंपरा में बिहारी की काव्य प्रतिभा, मुक्तक परंपरा एवं घनानंद की काव्य प्रतिभा, अभिव्यंजना कौशल आदि का ज्ञान प्राप्त कर पायेंगे।

Core-Semester - I - Mandatory-SAH - 401 A : प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता

1. परंपरा और व्याख्या :

1. अभिनव राष्ट्रभाषा पर संग्रह संपादक डा. कासुदेव नन्दन प्रभाद अभिनवभारती, 42- सम्मेलन मार्ग, इलाहाबाद- 211003 (विद्यापति 17, कबीरदास साखी, समद जायसी हंसरोधक- मात्र)

2. पृथ्वीराज रासे (पदमांक्ती समय मात्र) डां हरिहरनाथ टंडन विनोद पुस्तक मंदिर, अगरा - 2

3. सूरदास - प्रमरगीत सार 1-75 पद, संपादक - रामचद्रशुक्ल, नागरी प्रचारिणि सभा, वारणसी।

4. तुलसीदास तुलसी संचयन (रामचरित मानस, बालकांड मात्र) संपादक -डा. बी. पी. सिंह, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा 2

5. रीतिकाव्य संग्रह - संपादक डा. विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन मंदिर, 15 ए, गांधी रोड, इलाहाबाद। (बिहारों 180 दोहा, - धनानंद 1-30 छन्द)

6.1. मध्ययुगीन कविता पृष्टभूमि भक्ति आन्दोलन और लोक जागरण : - भक्ति काव्य दर्शन और संप्रदाय, भक्ति काव्य, सामाजिक चेतना और मानवीय संदर्भ, मध्यकालीन दरबारी संस्कृति, और रीतिकाव्य ।

2. निर्गुण भक्ति काव्य : कबीर और जायसी, कबीर : काव्य प्रतिमा भक्ति, दर्शन, योग: रहस्यवाद, सामाजिक चेतना, अभिव्यंजना कौशल । जायसी : काव्य प्रतिमा, दर्शन, सूफी सिद्धांत और रहस्यवाद, पदमावत में भारतीय संस्कृति तथा लोक जीवन के तत्य, अभिव्यंजना कौशल।

3. सगुण भक्ति काव्य : सूरदास :

काव्य प्रतिभा, मौलिक प्रसंगों की उदभावना, शुद्धाद्वैत: पृष्टभूमि और सूरदास, ब्रज की लोक संस्कृति, प्रतिपाद्य- वात्सल्य : भक्ति और श्रृंगार व रस राजस्व, अभिव्यंजना कौशल।

तुलसीदास : काव्य प्रतिभा, दर्शन और भक्ति भावना, सांस्कृतिक चेतना और युग संदर्भ, लोक नायकत्व, प्रबंध हटुता, अभिव्यंजना कौशल । तुलसीदाश: काव्य प्रतिभा, दर्शन और भक्ति भावना, सांस्कृतिक चेतना और युग संदर्भ, लोक नायकत्व, प्रबंध पटुता, अभिव्यंजना कौशल।

4. रीतिकालीन काव्य : बिहारी : काव्य प्रतिभा, समास शक्ति और समाहार शक्ति मुक्तक परंपरा और बिहारी, श्रृंगारिकता, अभिव्यंजना कौशल। घनानंद: काव्य प्रतिभा, स्वच्छंद चेतना, प्रेमानुभूति, विप्रलंभ श्रृंगार, अभिव्यंजना कौशल।

Course Outcomes :पाठ्यक्रम का परिणाम:

1.भक्ति काव्य एवं रीतिकालीन काव्य परंपराओं का विस्तृत अध्ययन ।

2.सूरदास एवं तुलसीदास की भाषा शैली तथा अभिव्यंजना पद्धति का विपुल निरीक्षण ।

3.प्राचीन एवं मध्यकालीन कतिपय कवियों का संक्षिप्त परिचय ।

M.A HINDI 2nd YEARSYLLABUS

PAPER - VII	
Core Course Code	**Title of the Paper**
SAH-402 A	**Functional Hindi &Translation** **प्रयोजनमूलक हिन्दीतथा अनुवाद विज्ञान**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1.विद्यार्थी अनुवाद की प्रक्रिया, प्रकार एवं शैलियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

2.भारत के स्वाधीनता संग्राम में हिन्दी भाषा की भूमिका की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

3.भाषा के विविध रूप एवं भारतीय संविधान में हिन्दी भाषा विषयक ज्ञान प्राप्त करेंगे।

4.विविध प्रकार के पत्राचार, प्रकार, प्रयोग आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

5. अनुवाद केलिए भाषाविज्ञान के ज्ञान की आवश्यकता का आकलन, अनुवाद कार्य की व्यावहारिक कठिनाइयाँ एवं
उत्पन्न समस्याओं का अध्ययन कर पायेंगे।

PAPER-VII : Mandatory-SAH - 402- A : प्रयोजनमूलक हिन्दीतथा अनुवाद विज्ञान

खण्ड (अ) प्रयेजनमूलक हिन्दी :

1. राजभाषा हिन्दी : संवैधानिक उपबन्ध और आदेश भारतीय - भाषाओं में हिन्दी-राष्ट्रपति के आदेश भारत की राष्ट्र भाषा हिन्दी भाषा मानक हिन्दी ।
2. भाषा का सामयिक संदर्भ- प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा उसकी शौलियाँ । सरकारी पत्राचार प्रकार, प्रयोग स्वरुप, मसौदा, लेखन, कार्यालयीन साहित्य का अनुवाद, सिद्धांत, समस्यायों, कार्यालयीन वाच्य ढाँचे, स्थिति एवं प्रयोग गत विशेषताएँ टिप्पणी लेखन : उद्देश्य, टिप्पणियाँ, प्रस्तुत करने के निदेश तथा टिप्पणी लेखन की विधि - प्रालेखन : उद्देश्य तथा प्रकार संक्षेपण सिद्धान्त प्रयोग- संक्षेपण क्या है ? संक्षेपण कला-संक्षेपण का महात्व- संक्षेपण के उपयोग - संक्षेपण की विधि ।

खण्ड (आ) अनुवाद विज्ञान :

3. अनुवाद शब्द की व्युत्पत्ति और परि भाषा अनुवाद की प्रक्रिया और स्वरुप अनुवाद के प्रकार। पूर्ण और आंशिक, समार और परिसीमित, शाब्दिक अनुवाद और भावानुवाद, सर्जनात्मक अनुवाद, सार अनुवाद, छायानुवाद।
4. मुहावरों तथा लोकोक्तियों के अनुवाद की समस्याएँ। काव्यानुवाद।

Course Outcomes :पाठ्यक्रम का परिणाम:

1.. प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख तत्वों का अध्ययन ।

2.हिन्दी भाषा के विविध रूपों का अध्ययन ।

3.व्यक्तिगत पत्र, सरकारी पत्र ,अर्धसरकारी पत्र के ,स्वरूप,प्रकार, प्रयोग आदि का अध्ययन ।

4. अनुवाद की परिभाषा एवं स्वरूप,प्रक्रिया, प्रकार एवं शैलियों का विस्तृत अध्ययन ।

5.वैज्ञानिक एवं कार्यालय साहित्य के अनुवाद में उत्पन्न समस्याओं का आकलन ।पारिभाषिक व तकनीकी
शब्दावली के निर्माण पद्धति ।

M.A HINDI 2nd YEARSYLLABUS

PAPER - VIII	
Core Course Code	**Title of the Paper**
SAH - 403 - A	**Linguisticsand History of Hindi Language** **भाषा विज्ञान तथा हिंदी भाषा का इतिहास**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1.विद्यार्थी भाषाओं के ऐतिहासिक(पारिवारिक) वर्गीकरण का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

2.हिन्दी भाषा का स्वरूप तथा हिन्दी की उप भाषाएँ व बोलियों का संक्षिप्त परिचय प्राप्त कर पायेंगे।

3.भारत की प्राचीन लिपियों से परिचित हो सकेंगे।

4.देवनागरी लिपि एवं उसकी वैज्ञानिकता का आकलन कर सकेंगे।

PAPER-VIII : Mandatory - SAH - 403 A : हिंदी भाषा का इतिहास

(अ) भाषा विज्ञान :

1. भाषा की परिभाषा भाषा की संरचना भाषा विकास के भूल कारण भाषा के विविध रूप भाषा विज्ञान की परिभाषा भाषा विज्ञान 'की शाखाएं। भाषाओं का आकृतिमूलक वर्गकिरण भाषा विज्ञान का इतिहास मुनित्रय, पाणिनि काव्यायन और पतंजलि।

2. ध्वनि विज्ञान- ध्यनि तथा भाषा ध्वनि में अंतर, ध्वनि यत्र - विभिन्न आधारों पर ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण और ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं- ध्वनि गुण ध्वनि ग्राम, ध्यनि नियम - ग्रिम - नियम- धर्नर नियम ग्रीम ग्राम।

3. रुप विज्ञान रूप और शब्द में अंतर रूप परिवर्तन के कारण और - दिशाएं। अर्थ विज्ञान- अर्थ परिवर्तन के कारण और अर्थ परिवर्तन की दिशाएं । शब्द विज्ञान शब्द की परिभाषा शब्दों का वर्गीकरण भदभण्डार में परिवर्तन के कारण। वाक्य विनान वाराय की परिभाषा, वाक्यों के प्रकार, वाक्य उन में - परिवर्तन के कारण ।

(आ) हिन्दी भाषा का इतिहास :

4. संसार की भाषाओं का ऐतिहासिक (पारिवारिक) वर्गीकरण ।हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास -- संस्कृत, पालि, प्राकृत उपवंश, हिन्दी तथा अन्य भारतीय आर्य भाषाएँ ! भारतीय आर्य भाषाओं का वर्गीकरण- ग्रियर्सन तथा चटजी ने अभिमत हिन्दी कारको का विकास और इतिहास हिन्दी के सर्वनामों का विकास और इतिहास भारत की प्राचीन लिपिया - खरोष्ठी और ब्राह्मी, देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास।

Course Outcomes:पाठ्यक्रम का परिणाम:

1.भाषाओं का वर्गीकरण, हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास का अध्ययन ।
2.हिन्दी तथा अन्य भारतीय भाषाओं का संक्षिप्त परिचय ।
3.हिन्दी के सर्वनामों तथा कारकों के इतिहास एवं विकास का अध्ययन ।
4. देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता का आकलन ।

M.A HINDI 2nd YEARSYLLABUS

PAPER - IX	
Core Course Code	**Title of the Paper**
SAH - 407 A	**Hindi Katha Sahitya** **हिंदी कथा साहित्य**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1.विद्यार्थी हिन्दी कथासाहित्यके उद्भव एवं विकास का विस्तृत अध्ययन कर सकेंगे।

2.हिन्दी कहानी परंपरा और प्रवृत्तियाँ: कहानी का तत्व गत अध्ययन पायेंगे।

3.हिन्दी साहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

PAPER-IX : Optional - SAH - 407 A :हिंदी कथा साहित्य

हिन्दी कथा साहित्य :

1. अ. गोदान - प्रेमचंद

आ. शेखर: एक जीवनी आज्ञेय

इ. बाण भट्ट की आत्म कथा - हजारी प्रसाद द्विकेदी

कहानी संग्रह : निम्नलिखित कहानीकारों की सूचित कहानियों का विस्तृत अध्ययन : संदर्भ सहित व्याख्या केलिए:

1. चन्दयर शर्मा गुलेरी 'उसने कहा था।'
2. प्रेमचंद - 'कफन'
3. जयशंकर प्रसाद - 1. आकाशदीप
4. जैनेन्द्र कुमार - फोटो ग्राफी

5. भीष्म सहानी- 1. गंगों का जाया
6. राजेन्द्र यादव - अपने पार
7. निर्मल वर्मा - दहालीज
8. उषा प्रियंवदा - कितना बैडा झुठ 2. मध्यवर्ग का उदय और उपन्यास उपन्यास और यथार्थवाद - उपन्यास में व्यक्ति और समाज- ऐतिहासिक उपन्यास में इतिहास, कल्पना और आधुनिकता- उपन्यास और कहानी का अन्तर ।

प्रेगचन्द - पूर्व हिन्दी उपन्यास - हिन्दी उपन्यास और स्वाधीनता आन्दोलन : स्वाधीन भारत के प्रमुख हिन्दी उपन्यास - हिन्दी उपन्यास में नायक की अवधारणा और उसके बदलते स्वरुप - हिन्दी उपन्यास में शिल्पगत प्रयोग । गोदान और भारतीय किसान - गोदान में गाँव और शहर - महाकाव्यात्मक उपन्यास की परिकल्पना - गोदान के पुरुष 'चरित्र - गोदान में यथार्थ और आदर्श ।

3. शेखर : एक जीवनी' में शेखर के चरित्र का वैशिष्ट्र्य-पापा और शिल्पगत प्रयोग उपन्यास और काव्यात्मकता बनारस आधाम

4. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में आत्मकथा का तात्पर्य भाषा सोडव- सांस्कृतिक पृष्ठभूमि-आधुनिकता और प्रासंगिक-निमिका और नारी मुक्ति कि आकाक्षा प्रेम व्यंजना ।

5. हिन्दी कहानी परंपरा और प्रवृत्तियाँ: कहानी का तत्व गत अध्ययन

Course Outcomes:पाठ्यक्रम का परिणाम:

1.हिन्दी साहित्य का गद्य काल,कथा साहित्य, निबंध, नाटक आदि के उद्भव एवं विकास का अध्ययन ।

2.आत्मकथा का तात्पर्य भाषा सोडव- सांस्कृतिक पृष्ठभूमि-आधुनिकता और प्रासंगिक-निमिका और नारी मुक्ति कि आकाक्षा प्रेम व्यंजना का अध्ययन ।

3.प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक काल संबंधी कतिपय साहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय ।

M.A HINDI 2nd YEARSYLLABUS

PAPER - IX	
Core Course Code	**Title of the Paper**
SAH 408 A	**Folk Literature** **लोक साहित्य**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1.विद्यार्थी स्वीकृत लोक साहित्य का विस्तृत अध्ययन कर पायेंगे।

2.लोक साहित्य के रूप लोक गीत, वर्गीकरण, वर्ण्य विषय विशिष्टिताएँ, समान भावधारा, छन्द और तुंक आदि का विशेष अध्ययन ।

3.लोक कथाएँ प्राचीन भारतीय कथाएँ, कथा और आख्यायिका, लोक कथा का वर्गीकरण, रचना शिल्प, आधुनिक कहानी और लोक कथा, अभिप्रायों का अध्ययन आदि से अवगत हो पायेंगे।

Core-Semester - I - Optional - 408 A : लोक साहित्य

1. लोक साहित्य :

अ) लोक साहित्य की परिभाषा लोकवार्ता और लोक वितान और महल क्षेत्र विस्तार, विभिन्न विद्याएँ, वर्गीकरण की पद्धनि, लोक साहित्य और लोक संस्कृति का अंतरावलंबन, लोक साहित्य का अन्यान्य शाम्बो से संबंध इतिहास, नृतत्वशास्त्र, समाजशास्त्र, पुरन्व मवोविशलेषण, - लोक साहित्य परिनिष्ठित साहित्य का महल लोक साहित्य का संकलन-क्षेत्रीय पद्धति, लोक साहित्य की पारिभाषिक शब्दावली, लोकमानस, लोकमंच, लोक कला, लोक वाहन, लोक

मम्कर, पुराखयान, लोकव्युत्पत्ति, लोकतत्व लेक महल मामाजिक जीवन का प्रतिबिम्बन - लोक साहित्य की महता ।

आ) आध्ययन का इतिहास : भारत में मिशनरियों द्वारा किया गया लोकसाहित्य संबंधी कार्य, नृतत्वशाखियों द्वारा किया गया कार्य अंग्रेज प्रशासकों द्वारा किया गया कार्य, हिन्दी में लोक साहिताय पर काम करनेवाले विद्वान।

3. अ) लोक साहित्य के रूप लोक गीत, वर्गीकरण, वर्ण्य विषय विशिष्टिताएँ, समान भावधारा, छन्द और तुंक, समीक्षा के प्रमुख आधार ।

आ) 1. लोक गाथा - वर्गीकरण, व्युत्पत्ति के सिद्धांत, तत्संबंधी मतों की समीक्षा प्रसिद्ध लोकगाथाओं का अध्ययन।

2. लोक कथाएँ प्राचीन भारतीय कथाएँ, कथा और आख्यायिका, लोक कथा का वर्गीकरण, रचना शिल्प, आधुनिक कहानी और लोक कथा, अभिप्रायों का अध्ययन, कथा मानक रूप ।

3. लोक नाट्य - विशेषताएँ, शास्त्रीय नाटकों के भेद, लोक मंगल का स्वरुप, उसके उत्पादन, अभिनय की विशेषताएँ प्रमुख लोक नाट्य परिचय | आ) लोक सुभाषित - कहावतें पहेलियों, मुहावरे । 4. आन्ध्र के लोक साहित्य का सामान्य परिचय ।

Course Outcomes :पाठ्यक्रम का परिणाम:

1.लोक कथा का वर्गीकरण, रचना शिल्प, आधुनिक कहानी और लोक कथा, अभिप्रायों का अध्ययन, कथा मानक रूपका आकलन ।

2.लोक साहित्य का विस्तृत अध्ययन , भाषा, शिल्प,रूप विन्यास आदि का विपुल अध्ययन ।

M.A HINDI 2nd YEAR SYLLABUS

PAPER - X	
Core Course Code	**Title of the Paper**
SAH - 413 A	**Optional Paper- Special Study of Literary Dimensions– Essay** **निबंध**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1.विद्यार्थी साहित्यिक निबंधों के अंतर्गत गद्यकाल,हिन्दी कथासाहित्य, हिन्दी निबंध आदि के उद्भव एवं विकास का
विस्तृत अध्ययन कर सकेंगे।

2.साहित्येतर निबंध के अंतर्गत पर्यावरण प्रदूषण, युवा आक्रोश, अणु शक्ति आदि कतिपय निबंधों का अध्ययन कर
पायेंगे।

3.कतिपय हिन्दी साहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

PAPER - X: Optional - SAH - 413 A : निबंध

साहित्यिक निबंधों के लिए स्वीकृत विषय :

1. साहित्य और समाज 2. आदिकाल की प्रवृत्तियाँ एवं उपलब्धियाँ
3. भक्तिकाल पृष्ठभूमि और महत्व 4. भक्तिकालीन संत काव्य
5. भक्तिकालीन सूफी काव्य 6. भक्तिकालीन राम काव्य
7. भक्तिकालीन कृष्ण काव्य 8. रीतिकाल की प्रवृत्तियाँ एवं उपलब्धियाँ
9. आधुनिक काल : आधुनिकता और परिवेश 10. गद्यकाल का उद्भव और विकास

11. हिंदी कथा-साहित्य का उद्भव और विकास 12. हिंदी नाटक का उद्भव और विकास
13. हिंदी निबंध का उद्भव और विकास 14. आदर्श और यथार्थवाद
15. छायावाद और छायावादोत्तर काव्य 16. प्रगतिवाद और प्रयोगवाद

साहित्येतर निबंधों के लिए स्वीकृत विषय :

1. साहित्य और संस्कृति 2. भारतीय संस्कृति में अनेकता में एकता
3. सत्यम शिवम्, सुन्दरम 4. राष्ट्रीय एकता और शिक्षा
5. विद्यार्थी और राजनीति 6. विश्व शांति और भारत
7. निःशस्त्रीकरण 8. भारत में बेरोजगारी की समस्या
9. राष्ट्रभाषा हिंदी 10. बैंकों का राष्ट्रीयकरण
11. विज्ञान : वरदान या अभिशाप 12. युवा आक्रोश
13. पर्यावरण और प्रदूषण 14. अनु शक्ति
15. भारतीय अर्थव्यवस्था एवं जीवन-मूल्य 16. भारत का आधुनिकीकरण

Course Outcomes:पाठ्यक्रम का परिणाम:

1.हिन्दी साहित्य का गद्य काल,कथा साहित्य, निबंध, नाटक आदि के उद्भव एवं विकास का अध्ययन ।

2.साहित्येतर कतिपय सामान्य निबंधों का अध्ययन ।

3.प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक काल संबंधी कतिपय साहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय ।